**संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना)** : (क) से (घ) किसी राज्य में पर्यटन केन्द्रों का अभिनिर्धारण तथा विकास करना मुख्यतः सम्बन्धित राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है । गुजरात सरकार ने सासनगीर, पावागढ़, चोरवाड, पलटाना, विशाल, द्वारका बरवाल, पोरबन्दर, लोथल, आदि में पर्यटन एककों के उपयुक्त रखरखाव के लिए कदम उठाए हैं ।

**मध्य प्रदेश में पर्यटन परिपथ**

2323. **श्री राघवजी** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश के लिए कौन कौन से पर्यटन परिपथ निश्चित किए गए हैं :

(ख) इन पर्यटन परिपथों के विकास हेतु, कौन-कौन सी योजनाएं सरकार के विचाराधीन है और इन योजनाओं को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ;

(ग) क्या इन पर्यटन परिपथों में सांची, उदयगिरि, उदयपुर, और भोजपुर को शामिल किया गया है; यदि नहीं, तो क्या भविष्य में इन्हें शामिल किया जाएगा; और

(घ) यदि हां तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

**संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना)** : (क) मध्य प्रदेश में गहन विकास के लिए निम्नलिखित दो यात्रा परिपथों की पहचान की है :-

1. ग्वालियर शिवपुरी ओरछा-खजुराहो

2. भोपाल सांची इंदौर उज्जैन-महेश्वर ओंकारेश्वर-ममांडू

(ख) से (घ) राज्य सरकार के परामर्श से वर्ष 1997-98 के दौरान 15300 लाख रुपए की केन्द्रीय वित्तीय सहायता हेतु उपरोक्त परिपथों में निम्नलिखित परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है :-

(1) ओरछा मे ध्वनि व प्रकाश प्रदर्शन ।

(2) खजुराहो और ओरछा में जल-क्रीडा सुविधाएं ।

(3) सांची में पर्यटक स्वागत केन्द्र ।

(4) सांची-मांडू के लिए आडियो गाइड

(5) मांडू एवं ओरछा उत्सव

नए केन्द्रों और परिपथों की पहचान करना और विकास करना मुख्यतया राज्य सरकार की जिम्मेदारी है । फिलहाल मौजूदा परिपथों का विस्तार करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

**मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन**

2324. **श्री राघवजी** : क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई सहायता प्रदान करती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं और क्या भविष्य में मध्य प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु कोई सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा ?

**संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना)** : (क) जी, हां। मध्य प्रदेश सरकार को निम्नलिखित योजनाओं के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता मुहैया कराई गई है :—

| क्रम सं. | योजना | स्वीकृत की गई राशि |
|---|---|---|
| 1. | 1990–91 अपर लेक, भोपाल के लिए जल क्रीड़ा उपकरण | 10.09 |
| 2. | 1990–91 शिवपुरी के लिए नौकाएं | 1.83 |
| 3. | 1991–92 तिगारा बांध और नारवाड़, ग्वालियर के लिए जल-क्रीडा उपकरण | 11.20 |
| 4. | 1991–92 तावा बांध के लिए जल-क्रीडा उपकरण और तम्बुओं में आवास | 13.61 |
| 5. | 1991–92 तम्बुओं में आवास | 6.00 |
| 6. | 1991–92 पन्ना राष्ट्रीय पार्क में आधारिक संरचना की व्यवस्था | 19.54 |
| 7. | 1991–92 तम्बुओं में आवास | 3.50 |
| 8. | 1993–94 ओरछा के लिए तम्बु | 2.85 |
| 9. | 1994–95 अपर लेक, भोपाल के लिए होवर क्राफ्ट्स | 6.22 |

(ख) विभाग के लिए साहसिक क्रीड़ाओं की अनुमोदित योजनाओं को केन्द्रीय सहायता देने के लिए प्राथमिकता देने हेतु प्रतिवर्ष राज्य सरकारों के साथ विचार-विमर्श किया जाता है। प्राथमिकता देने के लिए की गई बैठकों के आधार पर केन्द्रीय वित्तीय सहायता मुहैया करने के लिए, धन की उपलब्धता की शर्त पर सभी राज्यों के लिए भिन्न-भिन्न योजनाओं को प्राथमिकता दी जाती है। चालू वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश सरकार के लिए 18 लाख रु. की कुल केन्द्रीय सहायता से खजुराहो, पंचमढ़ी और ओरछा में विभिन्न स्थानों पर जल-क्रीडा सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। मध्य प्रदेश सरकार से विस्तृत प्रस्तावों की अभी प्रतीक्षा की जा रही है।

**पर्यटन केन्द्रों में बेहतर आवास की व्यवस्था**

**2325. प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा** : क्या **पर्यटन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा देश के पर्यटन केन्द्रों में खाने-पीने और ठहरने का बेहतर प्रबंध करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार की सभी पर्यटन केन्द्रों में सफाई और शुद्ध पेय जल की उपलब्धता को सुनिश्चित किए जाने के संबंध में कोई योजना है ;

(ग) क्या देश के सभी पर्यटन केन्द्रों के संबंध में पूर्ण सूचना देने वाला कोई सरकारी प्रकाशन है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार ऐसा कोई प्रकाशन जारी करने पर विचार करेगी ?

**संसदीय कार्य मंत्री तथा पर्यटन मंत्री (श्री श्रीकान्त जैना)** : (क) और (ख) विभिन्न पर्यटक केन्द्रों पर पर्यटन की आधारभूत सुविधाओं का विकास/सुधार करना मुख्यतः राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन विभाग राज्य सरकारों को पर्यटक परिसरों मार्गस्थ सुख-सुविधाओं, पर्यटक स्वागत केन्द्रों, शौचालय सुविधाओं और पीने के पानी की सुविधाओं का निर्माण करने के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

(ग) और (घ) केन्द्रीय पर्यटन विभाग, देश के विभिन्न राज्यों/क्षेत्रों के पर्यटक स्थलों/परिपथों पर प्रचार साहित्य प्रकाशित करता है।

———